# रक्षक | By Sanjeev Sharma

मेरे होते क्यों घबराये काहे को नीर बहाये
श्याम यही समझाए
साथ खड़ा हूँ रक्षक बन के काहे तू देख ना पाए
श्याम यही समझाए

सुख दु:ख खेल रहे तुमसे आँख मिचोली
एक सिक्के के ये दो पहलु आते जाते रहेंगे, रंग दिखाते रहेंगे
मोह माया के इन रंगो में काहे को तू भरमाये
श्याम यही समझाए

जीवन जीना पड़ेगा, खुद से लड़ना पड़ेगा
मुश्किल आती हल भी लाती, कुछ तो पाठ पढ़ाती
नित नयी राह दिखाती
इस दुनिया की कोई भी ताक़त तुझको हिला ना पाए
श्याम यही समझाए

मुझपे भरोसा करले, इतनी बात समझ ले
एक एक आंसू तेरा मोहित व्यर्थ ना बहने दूंगा
तुझको ना डूबने दूंगा
दिल की बातें कह दे मुझसे काहे को तू शर्माए
श्याम यही समझाए

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b0%e0%a4%95%e0%a5%8d%e0%a4%b7%e0%a4%95-by-sanjeev-sharma/